भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत दिनांक 05-05-2021

वर्ग- सप्तम शिक्षक राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

स्वास्थ्यैव धनम्

(विधिलिङ्लकारस्य पुनरावृत्तिः)

विशेष

- पाठ के आरंभ में हमने देगा किं लट् लकार एवं लृट् लकार के प्रत्ययों द्वार धातु रूप कैसे बनाते हैं।
- अपरिवर्तनीय धातुओं में 'इष्य' व परिवर्तनीय धातुओं में लट् लकार से लृट् लकार के रूप बनाए जाते हैं। जैसे -

अपरिवर्तनीय धातु-	पठ् + इष्य + ति = पठिष्यति

परिवर्तनीय धातु	दा + स्य + ति = दास्यति

अभ्यास

1. प्रदत्तेभ्यः विकल्पेभ्यः उचितम् उत्तरं चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत -

   दिए गए विकल्पों से उचित उत्तर चुनकर रिक्त स्थानों को पूरा कीजिए -

   1. बाले प्रातः अध्यापिकां .....।

      (क) नमिष्यतः (ख) नंस्यति

      (ग) नंस्यतः (ध) नमिष्यन्ति

   2. अम्बा औ .....।

      (क) पचन्ति (ख) पठतः

      (ग) पचति (घ) पठर

   3. बालाः फलानि .....।

      (क) खादथः (ख) खादन्ति

      (ग) खादामः (घ) खादतः

4. त्वं दुग्धं कदा .....।

(क) पास्यथ (ख) पिबिष्यसि

(ग) पास्यसि (घ) पास्यति